उत्तरांचल दीप

संपादकीय

कट्टरपंथ हावी

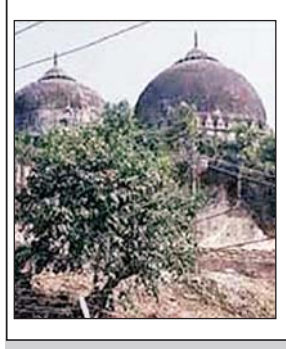

मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड ने मौलाना नदवी को बोर्ड से बर्खास्त कर दिया। इसके बाद भी मौलाना नदवी अपने बयान पर कायम हैं। उनका कहना है कि दुनियाभर में बहुत जगह मस्जिद स्थानांतरित हुई हैं। अल्लाह हर जगह है। इसी लिए रेलगाड़ी, प्लेटफार्म, फुटपाथ, बस के अंदर नमाज अदा करते हुए लोगों को देखा जा सकता है।

अयोध्या विवाद अदालत के बाहर बातचीत से निपटाने के लिए कट्टरपंथी किसी कीमत पर राजी नहीं हैं। आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के प्रमुख श्रीश्री रविशंकर ने मुस्लिम धर्मगुरुओं से बात की। इस दौरान ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के वरिष्ठ सदस्य मौलाना सलमान नदवी ने कहा कि वर्षों से विवादित जगह पर नमाज नहीं हो रही है। अदालत में मामला जल्द निपटता नहीं दिख रहा है। यदि मस्जिद किसी अन्य जगह बना ली जाये और फिर विवाद न किया जाये तो मामला निपट सकता है। मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड ने मौलाना नदवी को बोर्ड से बर्खास्त कर दिया। इसके बाद भी मौलाना नदवी अपने बयान पर कायम हैं। उनका कहना है कि दुनियाभर में बहुत जगह मस्जिद स्थानांतरित हुई हैं। अल्लाह हर जगह है। इसी लिए रेलगाड़ी, प्लेटफार्म, फुटपाथ, बस के अंदर नमाज अदा करते हुए लोगों को देखा जा सकता है। वैसे भी विवादित जगह पर नमाज अदा नहीं की जानी चाहिए। मौलाना नदवी की बात का उदारवादी लोगों ने समर्थन किया है। लेकिन विवाद बढ़ने पर मौलाना नदवी ने सफाई देते हुए यह भी कहा कि अयोध्या में मस्जिद स्थानांतरित होने के बाद अन्य किसी जगह विवाद नहीं किया जाना चाहिए। क्योंकि नब्बे के दशक में जब श्रीरामजन्म भूमि आंदोलन चरम पर था तो मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि और वाराणसी में ज्ञानवापी का विवाद भी चर्चा में रहा था। दरअसल मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि मंदिर की दीवार से सटी मस्जिद है। वाराणसी में भी मंदिर और मस्जिद आसपास हैं। ब्रिटिश शासनकाल में अंग्रेज बांटो और राज करो की साजिश के तहत मंदिर में आरती के वक्त मस्जिद में अजान कराते थे। दोनों धर्मों के लोगों को उकसाकर दंगे कराते थे। लेकिन मस्जिद स्थानांतरित कराने का प्रयास नहीं किया। आजादी के बाद भी इसी मुद्दे को लेकर दंगे होते रहे हैं। अयोध्या में मंदिर मस्जिद एक साथ नहीं हैं। विवादित ढांचा 6 दिसंबर 1992 को ध्वस्त कर दिया गया। उसी स्थान पर तिरपाल के नीचे रामलला विराजमान हैं। इसी लिए मौलाना नदवी ने कहा कि जब वर्षों से वहां नमाज नहीं हो रही है तो विवाद बनाये रखना उचित नहीं है। मौलाना नदवी ने तो यहां तक कह दिया कि उनके निधन तक भी अदालत में यह मामला लंबित रहे और वह नमान न पढ़ सकें तो ऐसे विवाद का क्या औचित्य है। ठीक इसी तरह की बात अयोध्या में विवादित स्थल में मुद्दई हाशिम अंसारी भी कहते-कहते दुनिया से चले गये। हाशिम अंसारी का हिन्दू धर्मगुरु बेहद सम्मान करते थे। अयोध्या विवाद को लेकर देश में कई जगह दंगे हुए कर्फ्यू लागू किया गया। लेकिन अयोध्या में विवादित स्थल के निकट ही हाशिम अंसारी अपने परिवार के साथ रहते रहे। उन्हें कभी किसी ने कुछ नहीं कहा। अदालत में हाशिम अंसारी मंदिर पक्ष के संतों के साथ हाजिर होते थे। आपस में बात करते थे। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के कट्टरपंथी अब कह रहे हैं कि अदालत के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। इन्हीं लोगों ने वर्ष 2010 में हाईकोर्ट के फैसले को मानने से इन्कार कर दिया था और सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। सच्चाई यह है कि मसला निपटाना नहीं चाहते हैं।

चर्च ने जारी किया भाजपा के खिलाफ 'फतवा'

बैपटिस्ट चर्च परिषद् ने नगालैंड की सभी पार्टियों के अध्यक्षों के नाम लिखा खुला खत

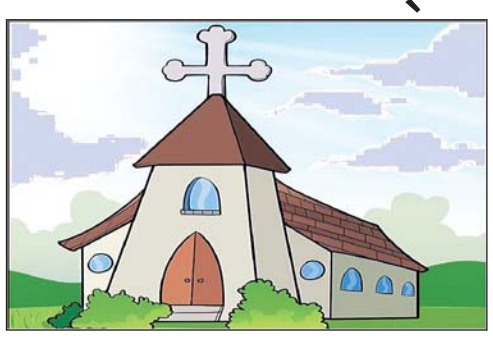

नगालैंड की बैपटिस्ट चर्च ने एक खुला पत्र लिख कर कहा है कि लोग भाजपा का विरोध करें क्योंकि वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की एक शाखा है। लोगों को संघ का भय दिखाया जा रहा है परंतु असलियत यह है कि चर्च पूर्वोत्तर में देश की बढ़ रही रुचि व केंद्र सरकार द्वारा दिए जा रहे ध्यान से चिंतित है।

चर्च का नाम सुनते ही ध्यान में आते हैं सच्चाई के लिए सूली पर चढ़े प्रभु ईसा मसीह, मन की गहराई तक उतर जाने वाली शांति और मानवता का संदेश देती बाईबल परंतु आजकल की चर्च का अर्थ केवल इतना ही सब कुछ नहीं है। चर्च पर धन बल के सहारे गरीबों का धर्म खरीदने के आरोप तो ब्रिटिश काल से लगते रहे परंतु अब चर्च राजनीति में भी उतर आई है। मनपसंद प्रत्याशियों को वोट देना, किसके पक्ष में मतदान करना और किसका बहिष्कार इसका फैसला भी चर्च करती है। अंतर केवल इतना है कि अगर ऐसा ही काम मठ-मंदिर करें तो उसका हल्ला मच जाता है परंतु चर्च की राजनीति उसकी घंटियों के शोर में दब गई है। नगालैंड की बैपटिस्ट चर्च ने एक खुला पत्र लिख कर कहा है कि लोग भाजपा का विरोध करें क्योंकि वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की एक शाखा है। लोगों को संघ का भय दिखाया जा रहा है परंतु असलियत यह है कि चर्च पूर्वोत्तर में देश की बढ़ रही रुचि व केंद्र सरकार द्वारा दिए जा रहे ध्यान से चिंतित है। चर्च अभी तक गलत दावा करती आ रही है कि इस इलाके में लगभग सारी आबादी इसाई बन चुकी है, जबकि सच्चाई यह है कि यहां का समाज आज भी कबीलों में बंटा और अपनी उस आस्थाओं से जुड़ा है जो वृहत हिंदू समाज का ही अंग हैं। सच्चाई सामने आने और जमीन दरकने की आशंका से चर्च चिंतित है और पूरा प्रयास है कि भाजपा जैसा कोई राष्ट्रवादी दल इस इलाके में प्रवेश न कर सके। चर्च की विदेशी धन पर चल रही दुकानदारी यूं ही चलती रहे। पुराणों में नागभूमि के नाम से वर्णित नगालैंड में राजनीतिक दलों के घोषणापत्रों और विचारधाराओं की बजाय आदिवासियों, गांवों और व्यक्तिगत मुद्दों पर चुनाव लड़े जाते हैं। परंतु अबकी बार बैपटिस्ट चर्च की तरफ से कहा गया है कि अनुयायी पैसे और विकास की बात के नाम पर ईसाई सिद्धांतों और श्रद्धा को उन लोगों के हाथों में न सौंपे जो यीशु मसीह के दिल को घायल करने की फिराक में रहते हैं। राज्य में बैपटिस्ट चर्चों की सर्वोच्च संस्था नगालैंड बैपटिस्ट चर्च परिषद् ने नगालैंड की सभी पार्टियों के अध्यक्षों के नाम एक खुला खत लिखा है कि भाजपा सरकार में अल्पसंख्यक समुदायों ने सबसे बुरा अनुभव किया है। एनबीसीसी के प्रवक्ता ने कहा- हम इस बात से इनकार नहीं कर सकते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में भाजपा के सत्ता में रहने की वजह से हिंदुत्व का आंदोलन अभूतपूर्व तरीके से मजबूत और आक्रामक हुआ है। प्रभु जरूर रो रहे होंगे जब नगा नेता उन लोगों के पीछे गए जो भारत में हमारी जमीन पर ईसाई धर्म को नष्ट करना चाहते हैं। चर्च के नेता ईसाई बाहुल्य तीन राज्यों मेघालय, नगालैंड और मिजोरम में भाजपा की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को लेकर सावधान हैं। नगालैंड में भाजपा ने नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक पीपल्स पार्टी (एनडीपीपी) के साथ गठजोड़ किया है। अंग्रेजों ने अपने शासन के दौरान देश के वनवासी व गिरीवासी इलाकों में इसाई मिशनरियों को खूब प्रोत्साहन दिया और भारतीयों के प्रवेश पर रोक लगा दी। इसका असर यह हुआ कि यहां चर्च ने बड़ी तेजी से अपने पांव पसारे परंतु पूरी ताकत झोंकने के बाद भी इन इलाकों को पूरी तरह क्रॉस की छाया के नीचे नहीं ला पाई। सरकारी आंकड़ों के अनुसार नगालैंड की जनसंख्या 88 प्रतिशत इसाई, 9 प्रतिशत हिंदू और 2 प्रतिशत मुस्लिम है। लेकिन सच्चाई यह है कि नगा समाज अंगामी, आओ, चखेसंग, चांग, दिमासा कचारी, खियमनिंगान, कोनयाक, लोथा, फोम, पोचुरी, रेंगमा, संगतम, सूमी, इंचुंगेर, कुकी और जेलियांग आदि जातियों में विभक्त है और अपने कबिलाई रीति-रिवाजों का पालन करते हैं। ये रीति-रिवाज वृहत हिंदू धर्म के अंग माने जाते हैं। लेकिन पूर्वोत्तर की राजनीति व प्रशासनिक व्यवस्था में चर्च का अत्यधिक हस्तक्षेप होने के कारण क्रिसमस वाले दिन अपने घर के बाहर तारे व क्रॉस से सजावट करने वाले हर परिवार को इसाई मान लिया जाता है। जैसा कि सभी जानते हैं कि हिंदू समाज सभी धर्मों का पालन करने वाला है और करोड़ों लोग हिंदू होने के बावजूद क्रिसमस सहित अन्य धर्मों के समारोह भी मनाते हैं। परंतु चर्च ने इसका अर्थ उन्हें इसाई होने में निकाल लिया है। चर्च को लगने लगा है कि कहीं चुनावों के जरिए इस क्षेत्र में राष्ट्रवादी दल के मजबूत होने से उसका झूठ दुनिया के सामने आ सकता है और शायद यही कारण है कि चर्च आज भाजपा व आरएसएस के खिलाफ इस तरह अलोकतांत्रिक फतवा जारी कर रही है। चर्च का डरना स्वाभाविक भी है क्योंकि नगालैंड एक दिसंबर, 1963 को देश का 16वां राज्य बना परंतु संघ ने इससे पहले ही वहां अपना काम शुरू कर दिया था। नगालैंड के गवर्नर पद्मनाभ आचार्य ने वहां भारत मेरा घर के नाम से अभियान शुरू किया था। आचार्य आरएसएस से जुड़े हुए थे। आरएसएस को इस इलाके में लोगों ने 90 के दशक से अहमियत देनी शुरू की थी। आज लोग संघ को मानने लगे हैं। पहले तो उन्हें संघ के बारे में पता ही नहीं था, लेकिन अब लोगों को ये अंदाजा है कि आरएसएस लोगों और समाज के भले के लिए काम कर रहा है। लोगों का हम पर भरोसा बढ़ रहा है। हम समाज को आत्मनिर्भर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। चर्च की इस अलोकतांत्रिक हरकत पर देश के सेक्युलर तानेबाने ने न जाने क्यों मुंह में दही जमा लिया है। क्या यह धर्म का राजनीति में हस्तक्षेप नहीं? **-राकेश सैन**

विविधा

जीवन के सभी छोटे-बड़े कार्यों को करने के लिए धर्म मार्ग-दर्शक है। जन्म के कर्म के सिद्धांत ने धर्म की व्यापक संकल्पना को सिद्धांत में बदल दिया। धारण करने के कारण इसे धर्म कहते हैं।

वेदों के अनुसार सृष्टि के प्राण तत्वों को पहचानना हो तो धर्म आवश्यक है। जीवन-मरण के बीच भी धर्म मनुष्य को ऊंचाई तक ले जाता है। जीवन के सभी छोटे-बड़े कार्यों को करने के लिए धर्म मार्ग-दर्शक है। जन्म के कर्म के सिद्धांत ने धर्म की व्यापक संकल्पना को सिद्धांत में बदल दिया। धारण करने के कारण इसे धर्म कहते हैं। जीवन के मूल्यों का आधार धर्म है। हम सब लोग किसी न किसी धर्म के दायरे में आते हैं, किसी एक धर्म के अनुयायी हैं परन्तु कभी-कभी स्वार्थवश, भयवश या अज्ञानवश, हम दूसरे धर्म के अनुयायी से मतभेद रखते हैं और मतभेद टकराव में बदल जाते हैं तथा अंत में टकराव, बिखराव में बदल जाते हैं। आखिर हम ऐसा क्यों करते हैं? क्या धर्म का यही अर्थ है? धर्म का उद्देश्य मनुष्य को सही अर्थों में मानव बनाना और मानवता का विकास करना है। प्रत्येक मनुष्य को 'वसुधैव कुटुम्बकम' वाली भावना से विश्व कल्याण की बात सोचनी चाहिए। 'यह मेरा है, वह तेरा है' इस तरह की बातें वही मनुष्य करता है जिसने धर्म का सही अर्थ नहीं समझा है परन्तु जिस मनुष्य ने धर्म का सही अर्थ जान लिया, वह कभी भी इस तरह की निम्न कोटि की बातें नहीं करता। वह तो धर्म के द्वारा परमपिता परमेश्वर को ही प्राप्त करने की बात करता है। 'ढाई आखर प्रेम के' सभी धर्मों का मूलमंत्र है फिर भी लोग न जाने क्यों धर्म के नाम पर एक दूसरे को मरने-मारने के लिए आमने-सामने खड़े हो जाते हैं? जब तक प्रत्येक के मन में एकता का भाव नहीं होता तब तक प्रार्थना, उपवास, जप-तप की बातें बेकार लगती हैं। सभी धर्मों के अनुयायी कहते हैं कि ईश्वर को प्राप्त करने का सबसे सरल मार्ग धर्म है। **-आशीष सिंह सचान**

रोष / वार्डवासियों ने लगायी पालिकाध्यक्षा से गुहार

वसुंधरा कालोनी में विकास कब होगा साहब

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

गदरपुर। सीमा विस्तार के बाद नगर के वार्डों का दायरा बढ़ गया है। ग्राम पंचायत बड़ाखेड़ा व रामजीवनपुर का कुछ क्षेत्र को शामिल कर बने नये वार्ड पांच आदर्श कॉलोनी व वसुंधरा कॉलोनी के वाशिंदों ने पालिका अध्यक्षा अंजू भुड्डी को समस्याओं का पुलिन्दा सौंपा।

वार्डवासियों ने पालिका अध्यक्षा से वसुंधरा कालोनी में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। पालिका अध्यक्ष ने एसडीओ गिरीश आर्य को पालिका के सभी क्षेत्रों को फीडर से जोड़ने के निर्देश दिये। एसडीओ ने शीघ्र सर्वे करने का आश्वासन दिया। वहीं दूसरी ओर पालिका अध्यक्ष ने जल संस्थान के अपर अभियंता आरके तिवारी को कालोनी में पेयजल की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिये। इधर अवर अभियंता ने 22 फरवरी से सर्वे कर वहां शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की बात कही। पालिका अध्यक्ष ने अधिशासी अधिकारी हरिचरण सिंह को परिसीमन के बाद पालिका में जुड़े नये क्षेत्रों में इंडियन मार्का नल, स्ट्रीट लाइट व सड़क निर्माण निर्देश दिये। वहां एस एस चावला, राधा रानी, गीता रानी, मोहन लाल, दीपक पांडे, शमशेर सिंह, राजकुमार, राजपाल, मेघराज, सुधांशु सक्सेना, मोहन लाल, सचिन बठ्ला, पारस मदान सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

पालिकाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपते वार्डवासी। उत्तरांचल दीप

लोगों की नाराजगी पड़ सकती है भारी

गदरपुर। पालिका का विस्तार होने के बाद उनकी समस्याओं का समाधान करना पालिका प्रशासन के लिए आसान नहीं होगा जबकि पालिकाध्यक्ष के कार्यकाल को पांच वर्ष होने को हैं लेकिन अभी तक पूर्व वार्डों में पूर्ण रुप से विकास तक नहीं हुआ है। यहां बता दें कि करतारपुर स्थित एक वार्ड में कई वर्षों से विकास तक नहीं हुआ है जिससे वार्डवासियों में रोष व्याप्त है। पांच साल के के कार्यकाल में विकास न होने से कई वार्डवासियों में रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि आने वाले निकाय चुनाव में इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

मेले में उपलब्ध होंगे खरीफ की उन्नतशील प्रजातियों के बीज

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

पंतनगर। पंतनगर विश्वविद्यालय में 24-27 फरवरी को आयोजित होने वाले किसान मेले में विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों द्वारा उत्पादित खरीफ की विभिन्न फसलों की उन्नतिशील व अधिक उत्पादन देने वाली प्रजातियों के बीज तथा सब्जी, फूल, औषधीय एवं सगंधी पादप व फलों के पौधे उपलब्ध कराये जायेंगे।

मेले में खरीफ की प्रमुख फसलों जैसे धान, मक्का, अरहर, मूंग, उड़द, सोयाबीन आदि के बीज उपलब्ध कराये जाएंगे, जिनमें धान के एक हजार कुन्तल से अधिक व विभिन्न दालों के 100 कुन्तल से अधिक बीज उपलब्ध होंगे। विश्वविद्यालय फार्म के स्टाल पर भी धान व उर्द की प्रजातियों के बीज समुचित मात्रा में उपलब्ध होंगे। विभिन्न सब्जियों के 7.00 कुन्तल से अधिक बीज व तोरई, लोकी, खीरा, करेला, आदि के 8000 पौधे, विभिन्न पुष्पों के 2 कि.ग्रा. बीज, 25,000 बल्ब एवं 5,500 पौध तथा शोभाकार औषधीय एवं सगंध पादपों के 4.5 कि.ग्रा. बीज एवं लगभग 30,000 पौध बिक्री को उपलब्ध होंगे। इनके अतिरिक्त आम की विभिन्न प्रजातियों के पौधे 100.00 प्रति प्रौधे एवं लीची, अमरूद, नींबू, कटहल, बेल, अनार, नाशपाती व आड़ू के पौधे 50 प्रति पौधे तथा अन्य समस्त फलवार बीज, पौधे 20 प्रति पौध की दर से विक्रय के लिए उपलब्ध होंगे। वहीं मशरूम की 200 कि.ग्रा. व्यवसायिक स्पान, 50 बोतल मास्टर स्पान तथा 25 ट्यूब कल्चर स्पान की भी बिक्री की जायेगी। इस दौरान सार्वजनिक/निजी कम्पनियों व निगमों द्वारा भी उन्नतशील बीजों व पौधों की बिक्री की जायेगी। कृषकों के लिए कृषि, पशुपालन, गृह विज्ञान, इत्यादि विषयों पर हिन्दी में प्रकाशित पुस्तकों के क्रय पर 40 से 60 प्रतिशत की छूट उपलब्ध होगी। इसके साथ ही गेहूं, लाही, सरसों, चना, मटर, मसूर आदि तथा उन्नतिशील प्रजातियों के प्रदर्शनों को दिखाया जायेगा। किसानों को पंतनगर रेलवे स्टेशन से मेला स्थल तक लाने तथा वापस ले जाने की परिवहन व्यवस्था व रात्रि विश्राम की व्यवस्था भी की गई है।

न्यूज Flash

ग्रामीणों ने किया कांवड़ियों का स्वागत

किच्छा। पुलभट्टा थाना अन्तर्गत ग्राम भंगा में हरिद्वार से पैदल यात्रा कर गंगाजल लेकर आये शिवभक्तों का ग्रामीणों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर शिव भक्तों ने ग्राम भंगा स्थित शिव मंदिर में शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हुये पूजा-अर्चना कर भगवान भोलेनाथ से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान पूरा वातावरण भगवान भोलेनाथ के जयकारों से गूंज उठा। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में हरिद्वार से पैदल गंगाजल लेकर आये शिव भक्तों ने प्रदेश सरकार का आभार जताते हुये कहा कि यात्रा के दौरान प्रदेश सरकार द्वारा कांवड़ियों की सुरक्षा के लिये तमाम सराहनीय व्यवस्था की गयी थी। उन्होंने पुलिस-प्रशासन द्वारा की गयी व्यवस्था पर आभार जताया। इससे पूर्व ग्रामीणों ने हरिद्वार से यात्रा कर लौटे शिव भक्तों का जोरदार स्वागत कर प्रसाद वितरण किया। कार्यक्रम में गौरीशंकर गंगवार, अभिषेक राठौर, सोहन लाल, सुनील राठौर, संजीव गंगवार, धीरेन्द्र कश्यप आदि मौजूद थे।

ग्रामीणों ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

किच्छा। ग्राम आजादनगर के ग्राम प्रधान राजकुमार कोली के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीणों ने विधायक राजेश शुक्ला का घेराव करते हुये ग्राम में विशाल मंदिर बनाये जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। ग्राम आजादनगर व बंगाली कालोनी क्षेत्र के दर्जनों ग्रामीण ग्राम प्रधान राजकुमार कोली के नेतृत्व में विधायक शुक्ला के निवास पर पहुंचे और उन्होंने विधायक शुक्ला को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर ग्राम प्रधान ने कहा कि ग्राम में शिव मंदिर न होने के कारण ग्रामीणों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान विधायक शुक्ला ने मंदिर निर्माण के लिये जल्द भूमि का चयन कर हरसंभव संहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान उत्तम मजूमदार, सोनू विश्वास, गोकुल विश्वास, उमेश मजूमदार, आंनद ढाली, अमृत मंडल, विवेक विश्वास, छोटू मंडल, विमल ढाली, राजू मंडल आदि मौजूद थे।

वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता का आगाज आज से

पंतनगर। पंतनगर विश्वविद्यालय की 52वीं खेल-कूद प्रतियोगिता का उद्घाटन कल आज प्रातः 8:30 बजे विश्वविद्यालय के स्टीवेंशन स्टेडियम में होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ए.के. मिश्रा उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। प्रतियोगिता का प्रारम्भ कुलपति द्वारा प्रतियोगिता का झण्डा फहराकर किया जायेगा, जिसके बाद मार्च-पास्ट होगा, जिसमें विभिन्न छात्रावासों के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता में विभिन्न रेस, कूद, गोला फेंक, चक्का फेंक, भाला फेंक, इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। दो-दिवसीय प्रतियोगिता का समापन 17 फरवरी को सायं 4:00 बजे होगा।

विधायक के जनता दरबार में उमड़े फरियादी

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

रुद्रपुर। विधायक राजकुमार ठुकराल ने अपने आवास पर आयोजित जनता दरबार में जन समस्याएं सुनीं। शहर व ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने विधायक को क्षेत्र की समस्याओं से अवगत करवाया। विधायक ठुकराल ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से वार्ता कर समस्याओं के समाधान को निर्देश दिए। साथ ही विकास कार्यों को चिन्हित कर जेई को इस्टीमेट बनाने को कहा। विधायक ने कहा कि रुद्रपुर विधानसभा में जल्द ही करोड़ों के विकास कार्य धरातल पर होंगे। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि अनिल चौहान, पूर्व जिला महामंत्री तरुण दत्ता, ठाकुर जगदीश सिंह, जिला कोषाध्यक्ष विजय फुटेला, पूर्व सभासद दिलीप अधिकारी, महेश अग्रवाल, सुनील यादव, अजय नारायण सिंह, संजय ठुकराल, ललित सिंह बिष्ट, आनंद शर्मा, राजेश ग्रोवर, बंटी कोली, अंकित चंद्रा, विपिन शर्मा बिट्टू, पूजा गुप्ता, राजकुमारी, रेखा रानी, सुनीता मंडल आदि मौजूद रहे।

उर्दू के प्रशिक्षणार्थियों को बांटे प्रमाण पत्र

छात्राओं को डिप्लोमा सौंपते सेन्टर प्रभारी तथा प्रमाणपत्र दिखाते प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्र। उत्तरांचल दीप

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

किच्छा। आवास विकास स्थित सेंट मैरी जूनियर हाई स्कूल में कौमी काउन्सिल बराये फरुगे उर्दू भाषा कार्यक्रम के तहत एक वर्षीय डिप्लोमा करने वाले प्रतिभागियों को डिप्लोमा वितरित किया गया। विद्यालय परिसर में एक कार्यक्रम में प्रधानाचार्य व उर्दू अध्यापिका हुमा रहमान अंसारी व सेंटर प्रभारी एम रहमान अंसारी ने संयुक्त रुप से डिप्लोमा वितरित किये।

इस मौके पर अंसारी ने बताया कि गत 11 वर्षों से उर्दू भाषा का सैन्ट मैरी स्कूल में प्रशिक्षण शिविर चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 100 अभ्यर्थियों को उर्दू

सेंट मैरी जूनियर हाईस्कूल में कार्यक्रम आयोजित

सिखाने का लक्ष्य रखा गया है। कहा कि उर्दू का डिप्लोमा प्राप्त करने वाले आवेदक 27 फरवरी तक आवेदन कर सकते हैं।

उन्होने बताया कि आगामी वर्ष में उर्दू भाषा के किताबों के पुस्तकालय की स्थापना का प्रयास किया जा रहा है। वहां बुसरा मलिक, इरम खान, सीमा, ज्योति, हिमानी, किरन, मीना, मनु गंगवार, आमिर अंसारी, राबिया अंसारी, सोनी, सानिया मलिक, सादिया खान, नाजिश, तस्लीम, आरिफ, अजहर खान आदि मौजूद थे।